



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

आधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 508] नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, दिसम्बर 1, 1977/अग्रहायण 10, 1899

No. 508] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 1, 1977/AGRAHAYANA 10, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 1st December 1977

S.O. 799(E)/15/IDRA/77—Whereas the industrial undertaking known as Messrs Incheh Tyres Limited, Calcutta, is engaged in a scheduled industry, namely, Rubber Goods industry

And, whereas, the Central Government is of the opinion that there has been a substantial fall in the volume of production in respect of the articles manufactured in the said industrial undertaking, for which having regard to the conditions prevailing, there is no justification,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act 1951 (65 of 1951) and in supersession of the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department

of Industrial Development) No 160(E)/15/IDRA/77 dated the 10th February, 1977, the Central Government hereby appoints, for the purpose of making an investigation into the possibility of restarting the aforesaid industrial undertaking, a body of persons consisting of—

Chairman

1. Dr N V C Rao, Industrial Adviser, Directorate General of Technical Development, New Delhi

Member

2. Shri A K Roy Chowdhury, Deputy Adviser (Finance), Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, New Delhi

The above body shall submit its report within a period of six weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No. F 2/24/76-CUC]

G V RAMAKRISHNA, Addl Secy

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1977

का० आ० 799 (अ) 15 आई० डी० आर० ए०/77—मैसर्स इनचेक टायर्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम अनुसूचित उद्योगों अर्थात् रबर के समान के उद्योग में लगा है ;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन की मात्रा में पर्याप्त कमी हुई है जो विद्यमान दशाओं को ध्यान में रखते हुए न्यायोचित नहीं है ,

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 160(अ) 15, उ० वी० वि० अ० 77, तारीख 10 फरवरी, 1977 को अधिष्ठात करने हुए, पूर्वोक्त औद्योगिक उपक्रम को पुनः प्रारम्भ करने की सभावना की जांच करने के प्रयोजन के लिए व्यक्तियों का एक निकाय गठित करती है जिसमें निम्नलिखित होंगे —

अध्यक्ष

1. डा० एन० वी० सी० राव, औद्योगिक सलाहकार, तकनीकी विकास का महानिदेशालय, नई दिल्ली ।

सदस्य

2. श्री एन० के० राय चौधरी, उप सलाहकार (वित्त), लोक उपक्रम ब्यूरो, वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली ।

उक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छः सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्टें प्रस्तुत करेगा ।

[स० फा० 2/24/76—सी०यू०सी०]

जी० वी० रामकृष्णा, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा निबंधक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977

